A. V. Education Society's
DEGLOOR COLLEGE, DEGLOOR

## Programme Specific Outcomes – MA – Hindi

1. भारतीय संस्कृति के उदात्त मूल्यों का परिचय I
2. साहित्य के विविध विधा, रचनाकार, एवं रचनाओं का ज्ञान एवं समीक्षा I
3. विज्ञापन लेखन, संवादलेखन, पत्रकारिता, गीतलेखन आदि रोजगारमूलक क्षेत्र में उपयुक्तI
4. प्रकाशन, संपादक, अनुवाद आदि क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएँ I
5. महाविद्यालय एवं विश्व विद्यालय में सहयोगी प्रोफेसर I
6. स्पर्धा परीक्षा, नेट, सेट जी , आर एफ, बी. एड अदि परीक्षा के लिए I
7. एम. फिल. पी. एच. डी उपाधि हेतु I
8. भाषिक ज्ञान एवं साहित्य विषयक ज्ञान में बढ़ोत्तरी I

## M A FIRST YEAR
### Semester-I Paper Code- HHINC501
### Paper Title: पूर्व मध्यकालीन भक्तिकाव्य ( Majar)

1. भक्तिकाव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि से परिचित कराना |
2. अहिंदी भाषिक संत नामदेव के साहित्यिक योगदान को बताना |
3. कबीर की धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक प्रतिबद्धता से परिचित कराना |
4. संत तुलसीदास के रामभक्ति का बोध कराना |
5. भ्रमरगीत की प्रेमानुभूति और भक्ति से अवगत कराना।

**<u>प्रतिफल आधारित पाठ्यक्रम (Course Outcomes)</u>**

1. भक्ति आंदोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि के अध्ययन से भक्तिसाहित्य का सही और सार्थक मूल्यांकन होगा |
2. महाराष्ट्र का हिंदी के भक्तिसाहित्य में क्या योगदान है, उसका ज्ञान छात्रों को प्राप्त होगा |
3. कबीर के काव्य से छात्रों में धर्मनिरपेक्षता, गुरु के प्रति आदर और नीति निर्माण होगी |
4. भक्ति की श्रेष्ठता का परिचय सूरदास के काव्य से होगा।
5. छात्रों पर राम के आदर्श और उदात्त मूल्यों का प्रभाव होगा।

## Semester-II Paper Code- HHINCSst
## Paper Title: उत्तर मध्यकालीन काव्य (Major)

**पाठयक्रम के उद्देश्य (Course objectives)**

1. रीतिकाव्य की पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
2. रहीम की कृष्णभक्ति को दर्शाना है।
3. बिहारी की नीति और काव्य सौंदर्य से अवगत कराना है।
4. भूषण की राष्ट्रीयता को बताना है।
5. घनानंद की प्रेमानुभूति का एहसास कराना।

**प्रतिफल आधारित पाठ्यक्रम (Course Outcomes)**

1. रीतिकाल में जो लक्षण ग्रंथ लिखे हैं, उसका ज्ञान प्राप्त होगा।
2. रहीम की कृष्णभक्ति से छात्रों में धर्मनिरपेक्षता भाव निर्माण होगा।
3. भूषण की कविता से छात्रों को प्रेरणा मिलेगी और उनमें राष्ट्रभक्ति का भाव निर्माण होगा।
4. घनानंद के प्रेमानुभूति से त्याग और समर्पण आएगा।
5. बिहारी की नीति और सौंदर्य से प्रगल्भता, नैतिकता और सुंदरता आएगी।

## Semester-I Paper Code -HHINC502
## Paper Title: हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) (Major)

**पाठयक्रम के उद्देश्य (Course objectives)**

1. छात्रों को हिंदी साहित्य के काल विभाजन की जानकारी देना |
2. इतिहास और साहित्य के इतिहास के अंर्तसंबंध से अवगत कराना |
3. आदिकाल के स्वरूप से परिचित कराना |
4. छात्र सिद्ध, जैन, नाथ और रासो साहित्य के योगदान को जान सकें।
5. भक्तिकाव्य के आंदोलन से अवगत कराना |

**प्रतिफल आधारित पाठ्यक्रम (Course Outcomes)**

1. साहित्य का इतिहास पढने से साहित्यिक मूल्यांकन की दृष्टि निर्माण होगी।
2. भक्तिकाव्य पढने से छात्रों में आध्यात्मिक भाव निर्माण होगा और सामाजिक प्रतिबद्धता बढेगी |
3. कबीर, सूर, जायसी और तुलसीदास के साहित्यिक योगदान का परिचय होगा ।

4. लक्षण ग्रंथों के योगदान से अवगत होंगे।
5. हिंदी साहित्य का इतिहास पढने से तत्कालीन परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त होगी |

## Semester-II Paper Code-HHINCS52
## Paper Title: हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (Major)

1. स्नातक उत्तीर्ण (स्नातक स्तर पर मुख्य विषय में 24 बेग्रांक अनिवार्य) पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course objectives) || आधुनिक काल की परिस्थितियों और पृष्ठभूमि से अवगत कराना।
2. पुनर्जागरण से परिचित कराना।
3. भारतेंदुयुग, दविवेदीयुग और छायावादीयुग की काव्यगत विशेषताओं से परिचित कराना।
4. प्रगतीवादी प्रयोगवादी और नई कविता की प्रवृत्तियों को बताना।
5. हिंदी की साहित्यिक विधाओं की जानकारी देना |

**प्रतिफल आधारित पाठयक्रम (Course outcomes)**

1. आधुनिक साहित्यिक प्रवृत्तियों का ज्ञान प्राप्त होगा।
2. स्वाधीनता आंदोलन का हिंदी साहित्य पर जो प्रभाव हुआ है जिसकी जानकारी प्राप्त होगी।
3. हिंदी साहित्य पर गांधीवादी, मार्क्सवादी और अस्तित्ववादी विचारधारा का प्रभाव हुआ है उस प्रभाव को समझेगा।
4. साहित्य के इतिहास के अध्ययन से साहित्य के प्रति विहंगम दृष्टि निर्माण होगी।
5. राष्ट्रीय काव्यधारा से छात्रों में राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा निर्माण होगी।

## Semester-I Paper Code-HHINC503
## Paper Title: भारतीय काव्यशास्त्र (Major)

**पाठयक्रम के उद्देश्य (Course objectives)**

1. संस्कृत तथा हिंदी काव्यशास्त्र की परंपरा का परिचय कराना।
2. रस सिद्धांत को समझाना |
3. अलंकार की अवधारणा, प्रकार को बताना |
4. रीति सिद्धांत का आकलन कराना |
5. ध्वनि सिद्धांत की उपयोगिता से परिचित कराना |

**प्रतिफल आधारित पाठयक्रम (Course Outcomes)**

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा से छात्रों में साहित्य के प्रति समझ बढेगी |
2. रस सिद्धांत से कविता के मूल्यांकन की दृष्टि प्राप्त होगी।

3. अलंकार सिद्धांत से ज्ञान वृद्धी होगी।
4. ध्वनि सिद्धांत से भाषिक उच्चारण और अधिक शुद्ध होगा।
5. वक्रोक्ति सिद्धांत पढने से काव्य का लक्ष्यार्थ और व्यंग्यार्थ समझ में आयेगा ।

## Semester-II Paper Code-HHINC553
## Paper Title: पाश्चात्य काव्यशास्त्र (Major)

**पाठयक्रम के उद्देश्य (Course objectives)**

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा का ज्ञान देना है।
2. अनुकरण सिद्धांत से परिचित कराना।।
3. उदात्त तत्व की अवधारणा और स्वरूप को बताना।
4. टी. एस. इलियट के काव्य सिद्धांत से अवगत कराना।
5. क्रोचे का अभिव्यंजनावाद को समझाना है।

**प्रतिफल आधारित पाठ्यक्रम (Course Outcomes)**

1. काव्य को समझने की सम्यक दृष्टि प्राप्त होगी।
2. साहित्यिक सहृदयता निर्माण होगी।
3. मूल्य सिद्धांत से साहित्य की समीक्षा करने की समझ आयेगी।
4. कला निर्मिति में निर्देक्तिकता कितनी जरुरी है उसका बोध होगा।।
5. उत्तर संरचनावाद से भाषिक मूल्यांकन की दृष्टि प्राप्त होगी।

## Semester-I Paper Code -HHINE501
## Paper Title: अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य (Major)

**पाठयक्रम के उद्देश्य (Course objectives)**

1. अस्मितामूलक विमर्श की वैचारिक पृष्ठभूमि से परिचित कराना |
2. दलित, स्त्री और आदिवासी विमर्श की अवधारणा और स्वरूप से अवगत कराना |
3. अस्मिता का एहसास कराना।
4. 'नागफणी', 'रेत समाधि' और 'ग्लोबल गाँव के देवता' जैसी रचनाओं का अध्ययन करना ।
5. छात्रों में चेतना निर्माण करना |

देगलूर महाविद्यालय, देगलूर * जि. नांदेड *

## प्रतिफल आधारित पाठ्यक्रम (Course Outcomes)

1. अस्मितामूलक की वैचारिकी से छात्र और अधिक प्रगल्भ और समझदार होंगे ।
2. 'नागफणी' आत्मकथा पढने से दलित जीवन की पृष्ठभूमि का परिचय होगा |
3. वैश्वीकरण का आदिवासी साहित्य पर कैसा प्रभाव हुआ हैं, उसका बोध 'ग्लोबल गाँव के देवता' उपन्यास से होगा।
4. बुकर पुरस्कार से पुरष्कृत रेत समाधि' उपन्यास से असाधारण स्त्री अस्मिता का एहसास होगा |
5. रेत समाधि' के प्रगल्भ भाषाशिल्प का अध्ययन होगा |

## Semester-ll Paper Code-HHINE.551
## Paper Title: हिंदी साहित्य और नवविमर्श (Elective)

## पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course objectives)

1. नव विमर्श का स्वरूप और उसकी प्रवृतियों को समझाना |
2. समकालीन हिंदी साहित्य और किसान विमर्श से परिचित कराना ||
3. किसान विमर्श, बाल विमर्श और किन्नर विमर्श की अवधारणा और स्वरूप से अवगत कराना।
4. प्रो. दिनेश चामोला 'शैलेश' की बाल कविता का परिचय कराना |
5. यमदीप' उपन्यास के योगदान को बताना |

## प्रतिफल आधारित पाठ्यक्रम (Course Outcomes)

1. नव विमर्श के वैचारिक पृष्ठभूमि का बोध होगा।
2. 'कथा में गाँव' कहानी संग्रह से भारतीय किसान की वर्तमान स्थिति से रूबरू होंगे।
3. भारतीय समाज में किन्नर का क्या स्थान है उसका एहसास यमदीप' उपन्यास से होगा।
4. प्रो. दिनेश चामोला शैलेश की बाल कविता से बाल जीवन के प्रति सहयता निर्माण होगी।
5. नव विमर्श की रचनाओं से छात्रों में और अधिक साहित्यिक समझ आयेगी।

## Semester-I Paper Code -HHINR501
## Paper Title: अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया (Major)

## पाठयक्रम के उद्देश्य (Course objectives)

1. छात्रों में अनुसंधान की दृष्टि निर्माण करना |
2. अनुसंधान की अवधारणा और स्वरूप से परिचित कराना |
3. शोध की परिकल्पना से अवगत कराना |

4. अनुसंधान और आलोचना के अंतर को बताना |
5. तथ्य संकलन कैसा करें उसके ज्ञान से अवगत कराना

**प्रतिफल आधारित पाठ्यक्रम (Course Outcomes)**

1. छात्रों में साहित्यिक अनुसंधान की दृष्टि निर्माण होगी |
2. आलोचना और अनुसंधान के अंर्तसंबंध तथा अंतर का ज्ञान होगा |
3. छात्रों में तार्किक सोच और वैज्ञानिक दृष्टि निर्माण होगी।
4. अनुसंधान कैसा करें उसका ज्ञान प्राप्त होगा |
5. छात्रों के भविष्यलक्षी जीवन के लिए प्रस्तुत प्रश्नपत्र अत्यंत कारगर साबित होगा।

## Semester-II Paper Code-HHINFS51
## Paper Title: क्षेत्रीय परियोजना (Field Project)

**पाठयक्रम के उद्देश्य (Course objectives)**

1. छात्रों में सर्वेक्षणात्मक शोधदृष्टि निर्माण हो।
2. तार्किक और वैज्ञानिक सोच निर्माण हो।
3. तथ्य संकलन कौशल विकसित हो।
4. रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच विकसित हो।
5. सामाजिक प्रतिबद्धता से अवगत कराना है।

**प्रतिफल आधारित पाठ्यक्रम (Course Outcomes)**

1. तथ्यात्मक जानकारी का संकलन होगा।
2. तार्किक निष्कर्ष समाजपयोगी होंगे।
3. अनुसंधानात्मकदृष्टि विकसित होगी।
4 अन्य छात्री के लिए प्रस्तुत परियोजना दिशादर्शक होगी।
5. भाषिक और लेखन कौशल विकसित होगा।

## M.A. Second Year - Hindi
## Semester – III

**Name of the paper - समीक्षा सिद्धांत : भाग -01**

1. प्राचीन और आधुनिक भारतीय समीक्षा सिद्धांतों और आलोचना प्रणालियों का अध्ययन कराना I
2. विविध समीक्षा सिद्धांतों की व्यवहारिकता योगिता का परिचय कराना I
3. छात्रों में साहित्यिक कृतियों का विवेचन, उनकी समीक्षा करने की दृष्टि विकसित करने का प्रयास करनाI
4. छात्रों मे साहित्य के आस्वादन और मूल्यांकन की दृष्टी को बढ़ावा देना I
5. छात्रों की तर्कशक्ति को बढ़ावा देना I

## M.A. Second Year - Hindi
## Semester – IV

**Name of the paper - समीक्षा सिद्धांत : भाग -02**

1. पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांतों और आलोचना प्रणालियों का अध्ययन कराना I
2. छात्रों में साहित्यिक कृतियों का विवेचन एवं उनकी समीक्षा करने की दृष्टि विकसित करने का प्रयास करना I
3. छात्रों में पाश्चात्य साहित्य एवं सिद्धांतो के प्रति रूचि उत्पन्न करना I
4. पाश्चात्त्य समीक्षा सिद्धांतों की व्यवहारिकता उपयोगिता का परिचय कराना I
5. छात्रों को उनके स्वविवेक के अनुसार समीक्षा कराकर उनकी तर्क शक्ति और विवेचन शक्ति को बढ़ाने का प्रयास करना I

## M. A. Second Year
## Semester – III

**Name of the Paper – हिंदी गद्य साहित्य : भाग – 01**

1. गद्य साहित्य की लेखन शैली से परिचित कराना I
2. हिंदी के उपन्यास, आत्मकथा, संस्मरण विधा के उद्भव और विकास से अवगत कराना I
3. गद्य साहित्य के माध्यम से छात्रों की चिंतन तथा लेखन कौशल की क्षमता को विकसित करना I
4. गद्य साहित्य के माध्यम से छात्रों को विविध समस्याओं से अवगत कर उन समस्याओं के समाधान के लिए उन्हें प्रेरित करनाI
5. छात्रों के चिन्तन में क्रमशः स्पष्टता, संगतता एवं क्रमबद्धता उत्पन्न करना I
6. गद्य साहित्य के माध्यम से छात्रों के शब्द व सुक्ति भण्डार में वृद्धि करना I

## M. A. Second Year
## Semester - IV

**Name of the Paper - हिंदी गद्य साहित्य : भाग – 02**

1. छात्रों को गद्य साहित्य के संकलन की प्रेरणा देना I
2. छात्रों के हृदय में भाषा विषयक शुद्धता के प्रति सावधानी का भाव उत्पन्न करना I
3. छात्रों लोकोउक्तियों, सुकितियों एवं कथाओं के कोश का क्रमशः विस्तार करना I
4. ज्ञान क्षेत्र एवं विवेक के विकास द्वारा चरित्र चित्रण करना I
5. छात्रों को कहानी, निबंध, जीवनी आदि विधाओं का परिचय देकर उन्हें बहुज्ञ बनाना I
6. उन्हें गद्य साहित्य की विभिन्न शैलियों से परिचित कराना I

## M. A. Second Year
## Semester – III

**Name of the Paper - हिंदी नवविमर्श एवं साहित्य : भाग 01**

1. हिंदी साहित्य के विविध विमर्श की जानकारी छात्रों को देना I
2. दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक विमर्श में जो विविध समस्याएं आई हैं उनसे छात्रों को अवगत कराना I
3. द्रुतपाठ में दिए गए रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से छात्रों को अवगत कराकर उनके योगदान पर प्रकाश डालना जिससे छात्रों में हिंदी नवविमर्श के प्रति आकर्षण उत्पन्न हो और साहित्य सर्जन की क्षमता विकसित हो I
4. विविध लेखकों की पुस्तकों को पढ़ने की छात्रा को प्रेरणा देना I
5. ज्ञान क्षेत्र एवं विवेक के द्वारा चरित्र - चित्रण करना I
6. हिंदी नवविमर्श के माध्यम से छात्रों के शब्द व सुकित भंडार में वृद्धि करना तथा उचित आरोह - अवरोह के साथ वाचन करने की योग्यता उत्पन्न करना I
7. छात्रों की विचार शक्ति में वृद्धि करना I

## M. A. Second Year
## Semester – III

**Name of the Paper हिंदी नवविमर्श एवं साहित्य : भाग – 02**

1. हिंदी नवविमर्श में आए विविध विधाओं से छात्रों का परिचय कराना I
2. नवविमर्श के अंतर्गत जो समस्याएं आई है उनके समाधान के लिए छात्रों को प्रेरित करना I
3. छात्रों में हाशिए के समाज के प्रति अपनत्व का भाव उत्पन्न करना I
4. छात्रों को विविध साहित्य की पुस्तकें संकलित करने की प्रेरणा देना I
5. नवविमर्श साहित्य की उपयुक्तता के बारे में छात्रों को बताना I

Dr Santosh Vijay Yerawar
Research Guide and H.O.D.
Department of Hindi (U.G.P.G.)
Degloor College, Degloor

PRINCIPAL
A.V.E.S; DEGLOOR COLLEGE DEGLOOR
Dist NANDED (M.S.)